



स्रोत एवं प्रमुख शासक

प्रमुख स्रोत

स्रोत	विवरण	
प्रयाग प्रशस्ति (इलाहाबाद स्तंभलेख)	रचयिता हरिषेण; समुद्रगुप्त की विजयें; संस्कृत (चम्पू शैली)	
फाह्यान (फा-हियान)	चीनी यात्री; चन्द्रगुप्त द्वितीय के काल में (399-414 ई.)	
मेहरौली लौह स्तंभ	"चन्द्र" नामक राजा का लेख (सामान्यतः चन्द्रगुप्त द्वितीय)	
भितरी स्तंभलेख	स्कंदगुप्त; हूण-विजय	
जुनागढ़ अभिलेख	स्कंदगुप्त; सुदर्शन झील की मरम्मत	
एरण अभिलेख	भानुगुप्त (510 ई.); सती-प्रथा का प्रथम अभिलेखीय साक्ष्य	
देवीचंद्रगुप्तम्	विशाखदत्त; रामगुप्त-प्रसंग	

गुप्त संवत् : 319-320 ई. से प्रारंभ
(चन्द्रगुप्त प्रथम के राज्याभिषेक से माना जाता है)

समुद्रगुप्त की विजयों का सार



वंशावली (प्रारंभिक शासक)

श्रीगुप्त
(संस्थापक)



घटोत्कच
"महाराज"



चन्द्रगुप्त प्रथम
(लगभग 319-335 ई.)
प्रथम महाराजाधिराज

- लिच्छवि राजकुमारी **कुमारदेवी** से विवाह।
- "चन्द्रगुप्त-कुमारदेवी" प्रकार के सिक्के।



चन्द्रगुप्त-कुमारदेवी सिक्का

समुद्रगुप्त (लगभग 335-375 ई.)



वी. ए. स्मिथ ने
"भारत का नेपोलियन" कहा।

- प्रयाग प्रशस्ति के अनुसार: आर्यावर्त के 9 राजाओं का उन्मूलन।
- दक्षिणापथ के 12 राजाओं को पराजित कर पुनः राज्य लौटाया (ग्रहण-मोक्ष-अनुग्रह नीति; कांची के विष्णुगोप सहित)।
- आटविक राजा, प्रत्यंत राज्य (समतट, इबाक, कामरूप, नेपाल, कर्तुपुर) और गणराज्य (मालव, अर्जुनायन, यौधेय, मद्रक, आभीर) अधीन।
- अश्वमेध यज्ञ किया।
- उपाधियों : कविराज, विक्रमांक, पराक्रमांक।

सिक्के

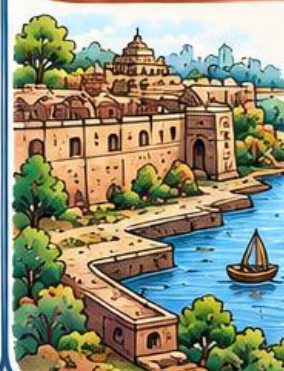


वीणावादक अश्वमेध धनुर्धर परशु व्याघ्रहंता गरुड़ प्रकार



श्रीलंका के राजा मेघवर्ण ने बोधगया में विहार बनवाने की अनुमति हेतु दूत भेजा (चीनी स्रोत)।

बिहार विशेष



- गुप्तों की राजधानी **पाटलिपुत्र**।
- चन्द्रगुप्त प्रथम का लिच्छवियों (वैशाली) से वैवाहिक संबंध।
- **वैशाली से प्राप्त मुहर :** चन्द्रगुप्त द्वितीय की रानी धुवस्वामिनी (गोविंदगुप्त की माता) की मुहर।



धुवस्वामिनी की मुहर
(वैशाली से प्राप्त)

उत्तरवर्ती शासक एवं प्रशासन

चन्द्रगुप्त द्वितीय “विक्रमादित्य” (लगभग 375–415 ई.)

- शक (पश्चिमी क्षत्रप) शासक रुद्रसिंह तृतीय को पराजित किया; चाँदी के सिक्के (रुप्यक) चलाए।
- उपाधियाँ : विक्रमादित्य, सिंहविक्रम, परमभागवत।
- बौद्धिक संबंध : नाग (कुबेरनागा), वाकाटक (पुत्री प्रभावतीगुप्ता का विवाह रुद्रसेन द्वितीय से)।
- राजधानी पाटलिपुत्र; उज्जयिनी दूसरी राजधानी।
- दरबार के नवरत्न (परंपरा): कालिदास, अमरसिंह, वराहमिहिर, धन्वंतरि, वेतालभट्ट, क्षपणक, शंकु, घटकर्पूर, वररुचि।

- फाहयान की यात्रा; उदयगिरि गुफा अभिलेख; मेहरौली लौह स्तंभ।

कुमारगुप्त प्रथम (लगभग 415–455 ई.)

- उपाधि महेन्द्रादित्य।
- नालंदा विश्वविद्यालय (महाविहार) की स्थापना।
- अश्वमेध एवं मयूर प्रकार के सिक्के।

स्कंदगुप्त (लगभग 455–467 ई.)

- उपाधि विक्रमादित्य/क्रमादित्य।
- हूणों के आक्रमण को विफल किया (भितरी स्तंभलेख)।
- सुदर्शन झील की मरम्मत (पर्णदत्त, पुत्र चक्रपालित द्वारा)।

उत्तरवर्ती शासक

- पुरुगुप्त।
- नरसिंहगुप्त बालादित्य (हूण मिहिरकुल को पराजित किया; नालंदा में विहार)।
- कुमारगुप्त तृतीय।
- विष्णुगुप्त (अंतिम)।

हूण शासक

- तोरमाण, मिहिरकुल।
- यशोधर्मन (औलिकर) ने भी मिहिरकुल को हराया (लगभग 528 ई.)।

प्रशासन

राजा

- महाराजाधिराज, परमभट्टारक।

मंत्री

- संधिविग्रहिक (विदेश/युद्ध), कुमारामात्य, महादंडनायक, महाबलाधिकृत, भंडागाराधिकृत।

प्रांत

- भुक्ति (शासक उपरि)।

जिला

- विषय (विषयपति)।

ग्राम

- ग्रामिक।

लेखक व समुदाय

- प्रथम कांयस्थ (लेखक वर्ग) उल्लेख।
- प्रथम-कुलिक (श्रेष्ठि संघ)।

भूमि अनुदान

- अग्रहार, ब्रह्मदेय, देवग्रह; नीवीधर्म अनुदान।
- इससे सामंती प्रवृत्ति का आरंभ।

कर

- भाग, भोग, कर, उद्गंग, उपरि कर।
- विष्टि (बेगार)।

मुद्रा

- सोने का दीनार (सर्वाधिक स्वर्ण सिक्के)।
- चाँदी (रुप्यक)।
- ताँबे के सिक्के।

प्रमुख शासकों का सार

सम्राट	उपाधि	मुख्य उपलब्धि
चन्द्रगुप्त प्रथम	महाराजाधिराज	गुप्त संवत्; लिच्छवि संबंध
समुद्रगुप्त	कविराज, पराक्रमांक	दिप्तिजय; प्रयाग प्रशस्ति
चन्द्रगुप्त द्वितीय	विक्रमादित्य	शक-विजय; चाँदी के सिक्के
कुमारगुप्त प्रथम	महेन्द्रादित्य	नालंदा की स्थापना
स्कंदगुप्त	क्रमादित्य	हूणों का प्रतिरोध

बिहार विशेष

नालंदा

- कुमारगुप्त प्रथम द्वारा स्थापित; बाद में नरसिंहगुप्त बालादित्य ने विहार बनवाया।

सुल्तानगंज (भागलपुर) की बुद्ध-प्रतिमा

- ताँबे की विशाल गुप्तकालीन प्रतिमा (अब बर्मिधम संग्रहालय, इंग्लैंड)।

महाबोधि मंदिर

- की वर्तमान ईंट की संरचना मुख्यतः गुप्तकालीन (5वीं-6ठी शताब्दी) मानी जाती है।

साहित्य, विज्ञान, कला एवं समाज

साहित्य

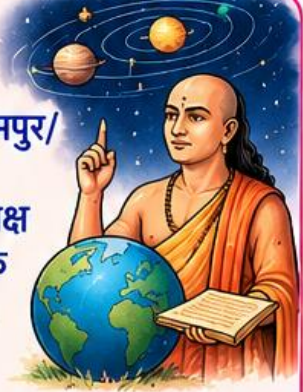


लेखक	रचनाएँ
कालिदास	अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मेघदूतम्, रघुवंशम्, कुमारसंभवम्, ऋतुसंहार, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्
विशाखदत्त	मुद्राराक्षस, देवीचंद्रगुप्तम्
शूद्रक	मृच्छकटिकम्
विष्णु शर्मा	पंचतंत्र
वात्स्यायन	कामसूत्र
अमरसिंह	अमरकोश



- **स्मृतियाँ:** नारद, बृहस्पति, कात्यायन, पराशर। पुराणों का वर्तमान स्वरूप इसी काल में।

विज्ञान

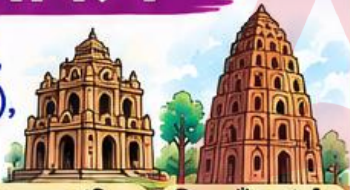


- **आर्यभट्ट** (जन्म 476 ई., कुसुमपुर/पाटलिपुत्र): आर्यभटीय; पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूमना, ग्रहण का वैज्ञानिक कारण, π का मान 3.1416, स्थानीय मान पद्धति।
- **वराहमिहिर:** पंचसिद्धान्तिका, बृहत्संहिता, बृहज्जातक।
- **वाग्भट:** अष्टांगसंग्रह (चिकित्सा)। **पालकाप्य:** हस्त्यायुर्वेद।
- **मेहरौली का लौह स्तंभ** (दिल्ली): धातुकर्म की उत्कृष्टता; जंगरोधी।



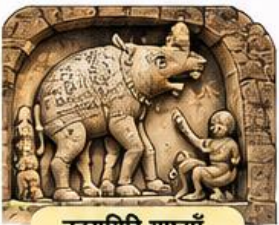
कला एवं स्थापत्य

- दशावतार मंदिर (देवगढ़, झाँसी), भितरगाँव का ईंट मंदिर (कानपुर), नचना-कुठार (पार्वती मंदिर)।



दशावतार मंदिर (देवगढ़, झाँसी)

भितरगाँव का ईंट मंदिर (कानपुर)



उदयगिरि गुफाएँ (विदिशा, म.प्र.)

- **उदयगिरि गुफाएँ** (विदिशा, म.प्र.): वराह अवतार की मूर्ति।



अजंता के चित्र



सारनाथ की बुद्ध-प्रतिमा

- अजंता (गुफा 16, 17 आदि) के चित्र; सारनाथ की बुद्ध-प्रतिमा; मथुरा शैली।
- मंदिर निर्माण (नागर शैली) का आरंभ।

धर्म एवं समाज

- **वैष्णव धर्म** का उत्कर्ष; शासक परमभागवत। शैव एवं शाक्त परंपराएँ। बौद्ध धर्म का क्रमिक ह्रास।



- **फाह्यान:** चांडालों का अलग रहना; शासन उदार एवं कर हल्के।



- **सती-प्रथा** का प्रथम अभिलेखीय साक्ष्य: **एरण** (510 ई.)।

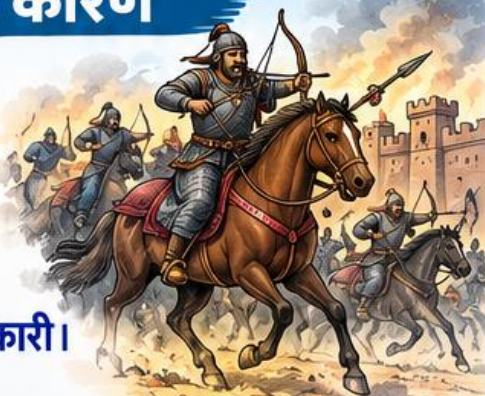


- गुप्तकाल को परंपरागत रूप से **"स्वर्ण युग"** कहा जाता है।



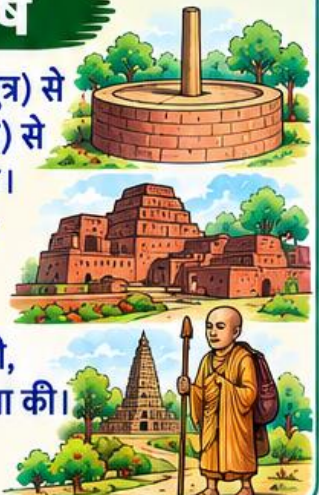
पतन के कारण

- हूण आक्रमण
- सामंतों का उदय
- भूमि अनुदान से केंद्र की दुर्बलता
- कमजोर उत्तराधिकारी।



बिहार विशेष

- **आर्यभट्ट:** कुसुमपुर (पाटलिपुत्र) से संबद्ध; तरेगना (मसौढ़ी, पटना) से खगोलीय अवलोकन की परंपरा।
- **नालंदा** में चीनी यात्रियों का अध्ययन-केंद्र।
- **फाह्यान** ने पाटलिपुत्र, वैशाली, राजगृह और बोधगया की यात्रा की।



GUPTA EMPIRE

SOURCES & EARLY RULERS

MAJOR SOURCES

Source	Details
Prayaga Prashasti (Allahabad Pillar)	Composed by Harishena in Sanskrit (champu style). Eulogises Samudragupta and his conquests.
Accounts of Fa-Hien (Faxian)	Visited India during the reign of Chandragupta II (399–414 CE).
Mehrauli Iron Pillar Inscription	King Chandra, generally identified with Chandragupta II.
Bhitari Pillar Inscription	Of Skandagupta. Mentions the Hunas and his victories.
Junagadh Inscription	Mentions repairs to the Sudarshana Lake.
Eran Inscription	Of Bhanugupta (510 CE); earliest epigraphic evidence of sati.
Devichandraguptam	Play by Vishakhadatta. Mentions the episode of Ramagupta.

Gupta Era : 319–320 CE

(generally accepted as the beginning of the Gupta period)

SUMMARY OF SAMUDRAGUPTA'S CONQUESTS

Nine kings of Aryavarta
Uprooted (annexed)

Frontier states
Samatata, Davaka, Kamarupa, Nepala, Kartripura (subdued)

Republics
Malavas, Arjunayanas, Yaudheyas, Madrakas, Abhiras (subdued)

Twelve kings of Dakshinapatha
Defeated and reinstated (Grahana-Moksha-Anugraha), including Vishnugopa of Kanchi

GUPTA GENEALOGY



Sri Gupta
(founding ancestor)



Ghatotkacha
'Maharaja'



Chandragupta I
(c. 319–335 CE)
First Maharajadhiraja



Kumaradevi
(Lichchhavi princess)

- Chandragupta I married the Lichchhavi princess Kumaradevi.
- Coins of Chandragupta–Kumaradevi depict the royal couple, symbolising the alliance with the Lichchhavis.



Chandragupta–Kumaradevi coins

SAMUDRAGUPTA (c. 335–375 CE)



- Called the "Napoleon of India" by V. A. Smith.
- The Prayaga Prashasti states that he uprooted nine kings of Aryavarta.
- Defeated twelve kings of Dakshinapatha and then reinstated them (Grahana-Moksha-Anugraha), including Vishnugopa of Kanchi.
- Subdued forest chiefs and frontier states – Samatata, Davaka, Kamarupa, Nepala, Kartripura and the republics – Malavas, Arjunayanas, Yaudheyas, Madrakas, Abhiras.
- Performed the Ashvamedha sacrifice.
- Titles: Kaviraja, Vikramanka, Parakramanka.
- Meghavarna, ruler of Sri Lanka, sent an embassy seeking permission to build a monastery at Bodh Gaya.

Types of Samudragupta's Coins



Veena-player



Ashvamedha



Archer



Battle-axe



Tiger-slayer



Garuda

BIHAR SPECIAL

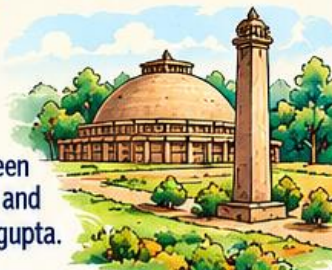


- Gupta capital was Pataliputra.
- Chandragupta I's marriage alliance with the Lichchhavis of Vaishali.



Vaishali seal of Dhruvaswamini

- Dhruvaswamini, queen of Chandragupta II and mother of Govindagupta.



GUPTA EMPIRE

Later Rulers & Administration

Chandragupta II "Vikramaditya"

(c. 375–415 CE)



- Defeated the Western Kshatrapa (Shaka) ruler Rudrasimha III.
- Issued silver coins (Rupyaka).
- Titles: Vikramaditya, Simhavikrama, Parama Bhagavata.
- Marital alliances: Naga (Kuberanaga), Vakataka (daughter Prabhavatigupta married Rudrasena II).

- Capital: Pataliputra; Ujjayini the second capital.
- Navaratnas at court (tradition): Kalidasa, Amarasingha, Varahamihira, Dharmavartani, Vetalaabhatta, Kshapanaka, Shanku, Ghatakrapara, Vararuchi.
- Fa-Hien's visit; Udayagiri cave inscription; Mehrauli Iron Pillar.



Silver coin (Rupyaka)



Udayagiri caves (Vidisha, M.P.)



Mehrauli Iron Pillar (Delhi)



Kumaragupta I

(c. 415–455 CE)



- Title: Mahendraditya.
- Founded Nalanda University (Mahavihara).
- Issued Ashvamedha and Peacock-type coins.



Ashvamedha-type coin



Peacock-type coin



Nalanda University

Skandagupta

(c. 455–467 CE)



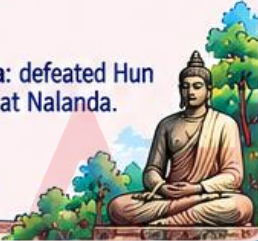
- Title: Vikramaditya/Kramaditya.
- Repelled the Huna invasion (Bhitari pillar inscription).
- Repaired the Sudarshana lake (by Parnadatta and his son Chakrapalita).



Sudarshana lake (Junagadh)

Later Rulers

- Purugupta.
- Narasimhagupta Baladitya: defeated Hun Mihirakula; built a vihara at Nalanda.
- Kumaragupta III.
- Vishnugupta (last ruler).



Hun Rulers

- Toramana, Mihirakula.
- Yashodharman (Aulikara) also defeated Mihirakula (c. 528 CE).



Important Rulers at a Glance

Emperor	Title	Key achievement
Chandragupta I	Maharajadhiraja	Gupta Era; Lichchhavi alliance
Samudragupta	Kaviraja, Parakramanka	Conquests; Prayaga Prashasti
Chandragupta II	Vikramaditya	Defeat of Shakas; silver coins
Kumaragupta I	Mahendraditya	Founded Nalanda
Skandagupta	Kramaditya	Resisted the Hunas

Administration



King

- Titles: Maharajadhiraja, Parama Bhattaraka.



Important officers

- Sandhivigrahika (foreign affairs/war)
- Kumaramatyaya
- Mahadandanayaka
- Mahabaladhikrita
- Bhandagaradhikrita (treasury)

Administrative divisions

Bhukti (province) → Uparika (governor)

Vishaya (district) → Vishayapati



Grama (village) →

Others

- Early mention of Kayasthas (scribes).
- Prathama-kulika (guild head).

Land grants

- Agrahara, Brahmadeya, Devagraha.
- Nividdharma grants.
- This led to the beginning of a feudal trend.

Taxes



- Bhaga, Bhoga, Kara, Udranga, Uparikara,
- Vishti (forced labour).

Currency



- Gold Dinara (largest number of gold coins).
- Silver (Rupyaka).
- Copper coins.



Gold Dinara



Silver Rupyaka



Copper coin

Bihar Specific

Nalanda



Nalanda University (Bihar)

- Founded by Kumaragupta I.
- Narasimhagupta Baladitya later built a vihara.



Sultanganj Buddha Image

- Large Gupta-period copper statue.
- Found at Sultanganj (Bhagalpur).
- Now in the Birmingham Museum, England.



Mahabodhi Temple

- The present brick structure is generally dated mainly to the Gupta period (5th–6th century).

Mahabodhi Temple (Bodh Gaya)

GUPTA EMPIRE

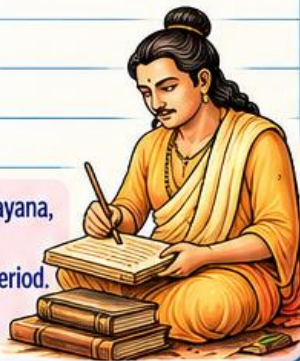
Literature, Science, Art and Society

LITERATURE



Author	Major works
Kalidasa	Abhijnanashakuntalam, Meghadutam, Raghuvamsha, Kumarasambhava, Ritusamhara, Malavikagnimitram, Vikramorvashiyam
Vishakhadatta	Mudrarakshasa, Devichandraguptam
Shudraka	Mricchhakatika
Vishnu Sharma	Panchatantra
Vatsyayana	Kamasutra
Amarasimha	Amarakosha

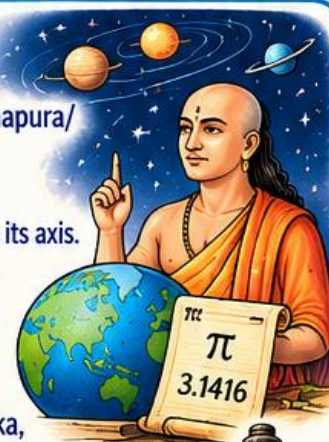
- **Important Smritis:** Narada, Brihaspati, Katyayana, Parashara.
- The Puranas took their present form in this period.



SCIENCE

- **Aryabhata** (born 476 CE, Kusumapura/Pataliputra):

- Work: Aryabhatiya.
- Proposed that the earth rotates on its axis.
- Scientific explanation of eclipses.
- Value of π as 3.1416.
- Place-value system.



- **Varahamihira:** Panchasiddhantika, Brihat Samhita, Brihat Jataka.
- **Vagbhata:** Ashtanga Sangraha (medicine).
- **Palakapya:** Hastyayurveda (veterinary science).
- **Mehrauli Iron Pillar** (Delhi): metallurgical excellence; rust-resistant.



ART AND ARCHITECTURE



Dashavatara Temple
(Deogarh, Jhansi)



Bhitargaon
brick temple
(Kanpur)



Nachna-Kuthara
(Parvati temple)



Udayagiri caves
(Vidisha, M.P.)
(Varaha avatar)



Ajanta paintings
(Caves 16, 17 etc.)



Sarnath Buddha image



Mathura school
of sculpture

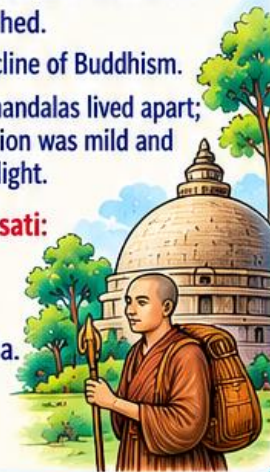
- Beginning of temple building (Nagara style).
- Excellent sculpture and painting traditions.

RELIGION AND SOCIETY



- Rise of **Vaishnavism**; rulers called **Parama Bhagavata**.
- Shaiva and Shakta traditions also flourished.
- Gradual decline of Buddhism.
- **Fa-Hien:** Chandalas lived apart; administration was mild and taxes were light.

- Earliest epigraphic evidence of **sati**: **Eran** (510 CE).
- The Gupta age is traditionally called the "**Golden Age**" of India.



CAUSES OF DECLINE

- Huna invasions.
- Rise of feudatories.
- Weakening of the central authority due to land grants.
- Weak successors.



BIHAR SPECIFIC

Aryabhata and Taregna



- Aryabhata was associated with Kusumapura (Pataliputra).
- Tradition of astronomical observation at Taregna (Masaurhi, Patna).

Nalanda



- Founded by Kumaragupta I.
- Later developed by Narasimhagupta Baladitya.
- A major centre of study for Chinese travellers.

Fa-Hien's Visit



- Visited Pataliputra, Vaishali, Rajagriha and Bodh Gaya.

Key Takeaway

The Gupta Empire made remarkable contributions to literature, science, art, religion and administration, which earned it the title of the "Golden Age" in Indian history.